वशि्व नारयिल दवािस 2024

[स्रोत: पी.आई.बी.]

वशि्व नारयिल दवािस (World Coconut Day- WCD) प्रतविर्ष 2 सतिंबर को मनाया जाता है, जो हमारे जीवन में नारयिल के महत्त्व पर ज़ोर देता है तथा सतत् कृषि पद्धतयिों को बढ़ावा देता है

- यह दनि नारयिल के **वभिनि्न उपयोगों** के बारे में जागरूकता बढ़ाने और **उनके वैश्वकि उपभोग** को प्रोत्साहति करने के लयिे समर्पति है।
- **वशि्व नारयिल दवािस 2024 की थीम है: "कोकोनेट फॉर ए सर्कुलर इकोनॉमी: बल्डिगि पार्टनरशपि फॉर मैक्समिम वैल्यू"।**
- वशि्व नारयिल दवािस पहली बार वर्ष 2009 में मनाया गया था, जसिकी स्थापना अंतरराष्ट्रीय नारयिल समुदाय, एक**एशयिा एवं प्रशांत के लयिे संयुक्त राष्ट्र आर्थकि व सामाजकि आयोग (United Nations Economic and Social Commission for Asia and the Pacific – UNESCAP)** अंतर-सरकारी संगठन द्वारा की गई थी।
    - 21 नारयिल उत्पादक देशों का प्रतनिधित्वि करने वाली **इंटरनेशनल कोकोनट कम्युनटिी (International Coconut Community- ICC) ने वर्ष 1969 में अपनी स्थापना के उपलक्ष्य में 2 सतिंबर को वशि्व नारयिल दवािस** के रूप में मनाने की शुरुआत की। **भारत इसका संस्थापक सदस्य** है।
    - ICC का सचवालय **जकार्ता, इंडोनेशयिा** में स्थति है।
    - **ICC को वर्ष 2018 तक एशयिाई और प्रशांत नारयिल समुदाय के रूप में जाना जाता था।**
- **नारयिल के लाभ:** नारयिल हृदय-संवहनी स्वास्थ्य को बढ़ावा देता है, लाल रक्त कोशकिा उत्पादन में सहायता और मधुमेह का प्रबंधन करता है तथा एंटीऑक्सीडेंट सुरक्षा प्रदान करता है।
- अपने समृद्ध पोषक तत्त्वों के कारण वे त्वचा के स्वास्थ्य, पाचन, जलयोजन और समग्र कल्याण में सहायता करते हैं।
- **भारत का नारयिल वकिास बोर्ड (CDB):** कृषि मंत्रालय के तहत स्थापति एक वैधानकि नकिाय है, जसिका **उद्देश्य बेहतर उत्पादकता और उत्पाद ववििधीकरण के माध्यम से नारयिल की खेती** तथा उद्योग को बढ़ावा देना है।
    - **भारत में शीर्ष नारयिल उत्पादक राज्य केरल, कर्नाटक और तमलिनाडु हैं।**
    - **भारत में कुल नारयिल उत्पादन 20,535.88 मलियिन टन (2022-23) है।**

अधकि पढ़ें: CPCRI ने नारयिल और कोको की खेती के लयिे पेश की नई

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/world-coconut-day-2024